सफलता की कहानी

महिला किसान का नाम :श्रीमति गीता झा

उम्र : 32 वर्ष

शिक्षा : स्नातक

गाँव : बसहा

प्रखण्ड : बाजपट्टी

जिला : सीतामढ़ी

मोबाईल सं॰ : 6200636280

1. **सफलता से पूर्व की स्थिति :** श्रीमति गीता झा आर्थिक रूप से काफी कमजोर थी। पति श्री सुनील कुमार झा गुजरात में रहकर पूजा पाठ कराते थे, जिससे उन्हें कुछ आमदनी हो जाता था। गीता झा गाँव में रहकर ही खेती एवं गाय पालन का कार्य कर जीवन यापन कर रही थी, लेकिन इससे उसकी सभी न्यूनतम आवश्यकताएँ पूरी नही होती थी।

2. **कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका** : नवम्बर 2017 में श्रीमति गीता झा बेहतर आजीविका हेतु जिला कृषि कार्यालय, सीतामढ़ी गई लेकिन वहाँ उन्हें विशेष जानकारी नहीं मिल सकी, लेकिन उसे सलाह दिया गया कि कृषि विज्ञान केन्द्र में जाकर मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण प्राप्त कर आमदनी बढ़ा सकते है। लगभग एक महीने बाद वह मशरूम उत्पादन से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र आई और वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान से इस संदर्भ में बातचीत की। वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. राम ईश्वर प्रसाद ने सलाह दिया कि बिहार कौशल विकास मिशन योजनान्तर्गत मशरूम उत्पादक विषयक प्रशिक्षण की शुरूआत होने वाला है आप उसमें रजिस्ट्रेशन करा लें। अंततः उसने अपना रजिस्ट्रेशन कराया एवं 30 दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेकर प्रशिक्षण को पूरा किया। प्रशिक्षण के बाद उनका ASCI के द्वारा मूल्यांकन हुआ। इसके बाद कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा उनके यहाँ मशरूम उत्पादन से संबंधित प्रथम पंक्ति प्रदर्शन का आयोजन कराया गया, जिसमें गीता झा के अलावा 30 अन्य महिलाओं ने भाग लिया।

   इसके बाद उन्होंने मशरूम उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। अच्छी संभावना को देखते हुए उसके पति गुजरात छोड़कर उसके साथ काम करना प्रारंभ किया। सितम्बर 2018 में उन्होंने ओयेस्टर एवं बटन मशरूम की खेती को प्रारंभ किया। अक्टूबर में उत्पादन भी शुरू हुआ लेकिन जागरूकता के अभाव में विपणन की समस्या आई, लेकिन उन्होंने हिम्मत नही हारी और विपणन हेतु घर–घर जाकर संपर्क किया, जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र का भी काफी सहयोग रहा।

3. **उपरोक्त गतिविधियों का परिणाम :** श्रीमति गीता झा के इस बेहतर प्रयास के कारण ही 2019 में जहाँ लगभग 1,00,000 रूपये का मशरूम बेची वही 2020 में लगभग रूपया 1,50,000 का मशरूम बेचने में सफल रही।

   इस सफलता को देखते हुए सन 2021 में उन्होंने वातानूकुलित मशरूम उत्पादन घर का निर्माण किया, जिस कारण अब वे पूरे वर्ष मशरूम का उत्पादन कर रही है, जिससे लगभग प्रति वर्ष रूपया 2,00,000 की आमदनी हो रही है।

4. परिणाम :

क्र॰ सं॰	उत्पादन मूल्य (क्विंटल)	लागत (रु॰) / क्विंटल	सकल उत्पाद	शुद्ध आय	रोजगार सृजन (श्रमदिवस)
कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका से पहले	धान–48	रू. 1000 / क्विंटल	86400	38400	500 प्रति वर्ष
	दूध–1100 ली. /	रू. 15 / ली.	27500	11000	50 प्रति वर्ष
	कुल		**113900**	**49400**	
कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका के बाद	धान–55	रू. 1200 / क्विंटल	132000	66000	60 प्रति वर्ष
	दूध–1400 ली. /	रू. 20 / ली.	56000	28000	100 प्रति वर्ष
	ओयेस्टर मशरूम–2	रू. 15000 / क्विंटल	30000	25000	150 प्रति वर्ष
	बटन मशरूम–6.5	रू. 25000 / क्विंटल	162500	107500	150 प्रति वर्ष
	कुल		**380500**	**226500**	

5. परिणाम (Outcome) का महिला और उनके परिवार / अन्य महिलाओं पर प्रभाव :

गीता झा एवं सुनील झा के सामूहिक प्रयास एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के तकनीकी मार्गदर्शन में उन्होंने आठ वर्षों में आमदनी को लगभग साढ़े चार गुणा की वृद्धि की है। यह वृद्धि मशरूम उत्पादन तकनीक को व्यवसायिक रूप देने से ही हो पाया है। आज उनका परिवार काफी खुशहाल है। उसके गाँव एवं निकवर्ती गाँव में भी उनके गतिविधियों को बेहतर मान रहे हैं।